



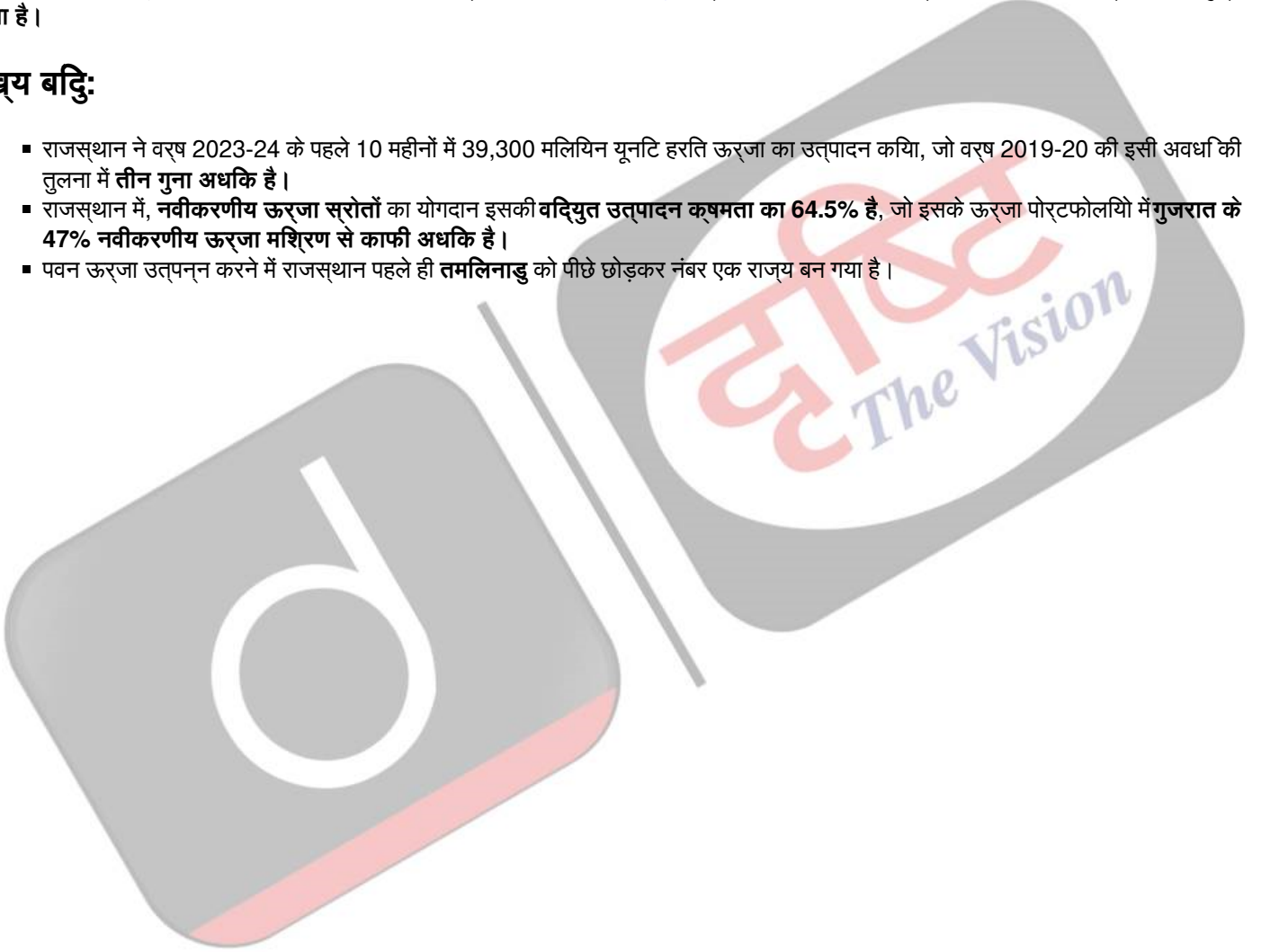
राजस्थान भारत में हरति ऊर्जा की ओर अग्रसर

चर्चा में क्यों?

हाल के दिनों में, राजस्थान ने 26,800 मेगावाट से अधिक स्थापित [नवीकरणीय ऊर्जा](#) क्षमता के साथ हरति ऊर्जा में भारत के परिवर्तन का नेतृत्व किया है।

मुख्य बढि:

- राजस्थान ने वर्ष 2023-24 के पहले 10 महीनों में 39,300 मिलियन यूनिट हरति ऊर्जा का उत्पादन किया, जो वर्ष 2019-20 की इसी अवधि की तुलना में **तीन गुना अधिक** है।
- राजस्थान में, **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों** का योगदान इसकी वदियुत उत्पादन क्षमता का **64.5%** है, जो इसके ऊर्जा पोर्टफोलियो में गुजरात के **47% नवीकरणीय ऊर्जा मशिरण से काफी अधिक** है।
- पवन ऊर्जा उत्पन्न करने में राजस्थान पहले ही **तमलिनाडु** को पीछे छोड़कर नंबर एक राज्य बन गया है।

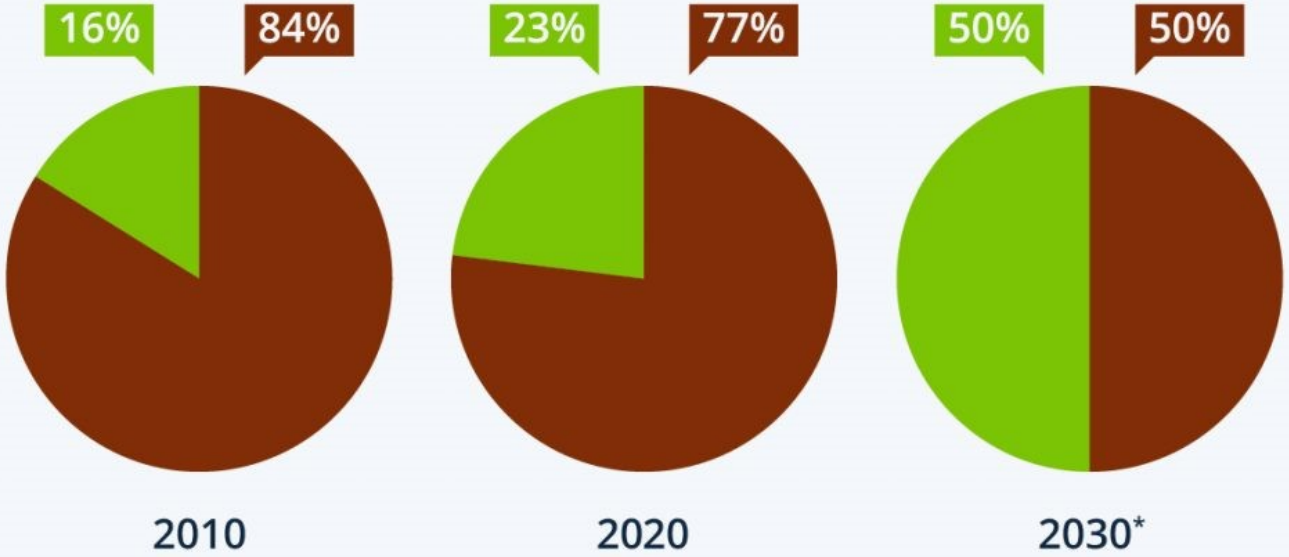


India's Electricity Mix

Electricity generation by source in India
in 2010, 2020 and 2030*



● Fossil fuels ● Renewables



* government target

Source: IEA

//

पाँच पंचामृत लक्ष्य

- UNFCCC COP 26 में, प्रधानमंत्री ने पाँच पंचामृत लक्ष्यों का अनावरण किया, जिनमें शामिल हैं:
 - वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट (GW) गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करना ।
 - वर्ष 2030 तक भारत की 50% ऊर्जा आवश्यकता को **नवीकरणीय ऊर्जा (RE)** स्रोतों से पूरा करना ।
 - वर्ष 2030 तक अर्थव्यवस्था में कार्बन तीव्रता को वर्ष 2005 के स्तर से 45% कम करना ।
 - वर्ष 2030 तक कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को 1 बिलियन टन तक कम करना ।
 - वर्ष 2070 तक **शुद्ध-शून्य उत्सर्जन** का लक्ष्य प्राप्त करना ।